प्रश्न-पेपर १५ ता. ३०-१२-८५

धोरण - १० मार्क्स १००

प्र. १ नीचेना पदवाला मात्र मूल सूत्र लखी, कया अध्यायमां आवेल छे ते जणावो ! (गमे ते - ७) ७½ मार्क्स

(१) कै कै कै (२) अधोऽध: (३) लान्तक
(४) उद्योतवन्तश्च (५) अनुमत (६) संस्तारोपक्रमण
(७) धर्मस्वाख्यात (८) ज्ञानावगाह (९) सर्वात्मप्रदेशेष्व

प्र. २ नीचेना भाव दर्शावता सूत्रोना मात्र अर्थ लखो (गमे ते - ६) १५ मार्क्स

(१) क्षायोपशमिक भावना भेदोनी संख्या
(२) ५ था देवलोकमां अब्रह्मविषय (३) पुद्गलना परिणामो
(४) क्रियाना भेदो (५) तीर्थंकर नामकर्मना हेतु
(६) केवल ज्ञाननी प्राप्ति (७) परिषहनो हेतु

प्र. ३ नीचेना वाक्यो सुधारी लखो (गमे ते - ५) ७½ मार्क्स

(१) अवधिज्ञान अने मन:पर्यवज्ञानमां ६ प्रकारो पड़े छे ।
(२) इन्द्रियोना विषयो ३६ छे ।
(३) धूमप्रभामां परमाधामी देवों सतत जीवोने दुःख आपे छे ।
(४) मनुष्यनी वधुमां वधु स्थिति पूर्वकोडी वर्षनी छे ।
(५) आपणो आत्मा उत्पत्ति, विनाश अने ध्रुवधर्मवालो छे ।
(६) एक ज समये १ जीवमां १५ परिषहो घटी शके छे ।

प्र. ४ नीचेना प्रश्नोना जवाब आपो (गमे ते - ७) ३० मार्क्स

(१) जीवने प्रथम सम्यग्ज्ञान उत्पन्न थाय के सम्यग्दर्शन ? ते जणावी मोक्षमार्गना ३ साधनमांथी कया- कया साधन होते छते कया- कया होय अने कया न होय ?
(२) शेष दर्शननी जेम मन:पर्यव दर्शन तथा मन:पर्यव अज्ञान केम न बताव्युं ? ते जणावी एकी साथे जीवने उपयोगमां केटला ज्ञान होय ?
(३) सात नयना नाम लखी, नय अने प्रमाणमां शुं तफावत ते सदृष्टांत जणावो ।
(४) ५- भावोमांथी तमोने घटता भेद जणावी उपकरण द्रव्येन्द्रियनी व्याख्या लखो ।
(५) ३ जी नारकनुं जघन्य, ५मी नारकनुं उत्कृष्ट, ११ देवलोकनुं जघन्य तथा भूतनुं उत्कृष्ट आयु: जणावो ।
(६) स्कन्धोनी उत्पत्ति जणावी द्रव्यनी व्याख्या सदृष्टांत जणावो ।
(७) अनर्थदंडनी व्याख्या लखी तेना अतिचारो समजावो ।
(८) भाषासमिति तथा वचनगुप्तिनां भेद समजावी तपनी व्याख्या लखो ।
(९) ५ मो धर्मध्याननो भेद तथा २ जो शुक्लध्याननो भेद समजावो ।
(१०) परिहार -विशुद्धि नो तप जणावी निर्ग्रन्थ नो स्नातक भेद समजावो ।

(११) केटला सिद्धो सिद्धशीलाने स्पर्शीने रह्या छे ते जणावी सिद्ध भगवाननी जघन्य - उत्कृष्ट अवगाहना जणावो ।

प्र. 5 नीचेना प्रश्नोना जवाब आपो (गमे ते - ६) लोक प्रकाश सर्ग १ थी ३

(१) आत्मांगुलनी व्याख्या लखवी तेनुं प्रयोजन जणावो ।

(२) वर्गनी व्याख्या लखवी उत्कृष्ट असंख्यात असंख्यातमां प्रक्षेपाता भावो लखवो ।

(३) तिर्च्छालोकमांथी, नंदनवनमांथी तथा अकर्मभूमिमांथी वधारे मां वधारे केटला सिद्ध थाय ?

(४) पर्याप्तिनी व्याख्या लखवी विग्रहगतिमां जीवे एक पण पर्याप्ति स्थेल नथी तो विग्रहगतिमां जीव पर्याप्त के अपर्याप्त कहेवाय ? केम ?

(५) प्रदेशनी अपेक्षाए पांच शरीरोनुं अल्पबहुत्व सकारण जणावो ।

(६) समुद्घातनी व्याख्या लखी कयो कयो समुद्घात कया-कया कर्मनीमित्ते थाय ते जणावो ।

(७) ११ मा ६ ट्ठा तथा १५ मा गुणस्थानके जीवो उत्कृष्ट थी केटला ?

अक्षर - शुद्धि स्पष्टतादिना - 5 मार्क्स

कुल १०० मार्क्स